मतदान के लिए हजारों दौड़े, पर स

● इन्दौर।

चुनाव आयोग के निर्देश के अनुसार जिला प्रशासन ने मतदाता जागरूकता के लिए नेहरू स्टेडियम से मिनी मैराथन तो आयोजित करवा दी। हजारों युवा दौड़े भी, लेकिन मतदान की जागरूकता और अपने अधिकार के लिए दौड़े धावक स्वच्छता का पाठ भूल गए, जिसमें नगर निगम की चूक सामने आई। वह डस्टबिन रखना ही भूल गए। जिला प्रशासन के अधिकारी इस बात से खुश नजर आए कि उन्होंने जो टारगेट दिया था, उससे कहीं अधिक लोग दौड़ में भाग लेने पहुंचे। दौड़ 5 श्रेणी में आयोजित की गई थी, लेकिन इसमें कोई

दौड़ खत्म पर कचरे से पटा ग्राउंड

खाद्य विभाग द्वारा जिला प्रशासन के निर्देश पर 25 हजार

प्रभातखबर

26 साल पहले 'भी ट'

प्रधानमंत्री के कहने पर सीबीआई दफ्तर में छापे

नई दिल्ली। सीबीआई के दो अफसरों के झगड़े और रिश्वतखोरी मामले में छापे की बड़ी कार्रवाई के बाद एजेंसी की दो मंजिलों पर ताले डाल कर सील कर दिया गया है। जिन दो मंजिलों को सील किया गया है, उनमें काम करने वाले अफसरों और कर्मचारियों को वापस लौटा दिया गया है। सीबीआई के निदेशक आलोक वर्मा के करीबी अफसरों पर भी गाज गिरना तय माना जा रहा है, जो कि रिश्वत मामले में शामिल हैं। अफसरों को झगड़े की जांच के लिए अंतरिम कमेटी बन सकती है।

दो मंजिलों को सील किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीबीआई में घुसपैठियों और अफसरों की आपस में भिड़ंतबाजी से बेहद नाराज हैं। इसके निर्देश पर कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सीबीआई दफ्तर पर छापा मारा और दस्तावेज जब्त किए। पीएम के निर्देश पर राव ने सीबीआई दफ्तर की दो मंजिलों को ताले लगा कर सील कर दिया। माना जाता है कि रिश्वतखोरी और 3 करोड़ की मोईन कुरैशी मनी लॉन्ड्रिंग मामले से संबंधित दस्तावेज और कंप्यूटर रिकॉर्ड के झगड़े में सीबीआई के विशेष निदेशक राकेश अस्थाना और आलोक वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बाद दोनों अफसर संयुक्त डायरेक्टर राकेश अस्थाना और आलोक वर्मा से संबंधित अफसरों में हड़कंप है। सीबीआई दफ्तर पर छापेमारी से आलोक वर्मा और राकेश अस्थाना से संबंधित अफसरों में हड़कंप है।

दो और अफसरों पर गिरी गाज- सीबीआई में रिश्वतखोरी मामले में दो और अफसरों जाइंट डायरेक्टर मनीष सिन्हा और एके शर्मा पर गाज गिरी है। दोनों से कामकाज वापस ले लिया है। छुट्टी पर भेज दिया गया है। जानकार राव को सीबीआई का नया निदेशक बनाया गया है। वर्मा के पास सीबीआई, सुरक्षा और खोजबीन के मामलों की जांच का जिम्मा था।

माल्या के नोटिस की जांच कर रहे थे अस्थाना- विजयमाल्या के भाग जाने के पहले कॉमर नोटिस की जांच कर रहे थे। यह जांच अधिकारी रैंक के अफसरों से पूछताछ कर रहे थे। यह जांच अधिकारी रैंक के थे। वे दूसरे काम में लगे जब वो देश छोड़ने की तैयारी कर रहा था। मुंबई पुलिस ने इस बात की सीबीआई को तमाम जानकारी भेज दी थी। अब अस्थाना के खिलाफ मामले में चार्जशीट के बाद माल्या की जांच पर असर पड़ सकता है। यह मामला सामने आने के बाद पीएमओ ने सीबीआई की अध्यक्षता में बनी विशेष जांच टीम को माल्या का मामला देने के पहले इसकी जांच एक बार और कर लेने को कहा था। पूरे मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय की टीम आलोक वर्मा के संपर्क में है। प्रधानमंत्री के निर्देश के बाद ही सीबीआई दफ्तर के कमरे सील किए गए हैं। झगड़े की जांच के लिए भी कमेटी बन सकती है।

मंदिर में थे शाह, चीफ जस्टिस को करना पड़ा इंतजार

गुवाहाटी। चीफ जस्टिस रंजन गोगोई पत्नी के साथ असम के कामाख्या देवी मंदिर में दर्शन के लिए गए थे। उसी वक्त भाजपा अध्यक्ष अमित शाह और असम के सीएम सर्बानंद सोनोवाल दर्शन कर रहे थे। जस्टिस गोगोई को इंतजार करना पड़ा। तीन अधिकारियों पर भी कार्रवाई हुई थी। दुर्व्यवहार और प्रोटोकॉल में चूक के कारण अफसरों को निलंबित कर दिया गया। एनडीटीवी की खबर के मुताबिक निलंबित अधिकारी पुलक मेहता पर आरोप है कि गॉर्ड ऑफ ऑनर दिए बगैर चीफ जस्टिस की कार तक पहुंच गए थे। डिप्टी कमिश्नर धरणीधर सैकिया और एसपी कल्याणादित्य को सुरक्षा इंतजामों में चूक के कारण हटाया गया। यह भी कहा गया कि चीफ जस्टिस को इंतजार कराया गया और राजनीतिक हस्तियों को अंदर ले जाया गया। इसके बाद सोशल मीडिया पर यह मामला उठा था। कहा गया था कि जज और उनकी पत्नी के साथ कामाख्या देवी मंदिर में दुर्व्यवहार हुआ है।

वोट के लिए दौड़....

इंदौर में आज सुबह मतदान जागरुकता

मध्यप्रदेश में दो लाख र

मानवे

पेटीएम को धोखा देने वाली